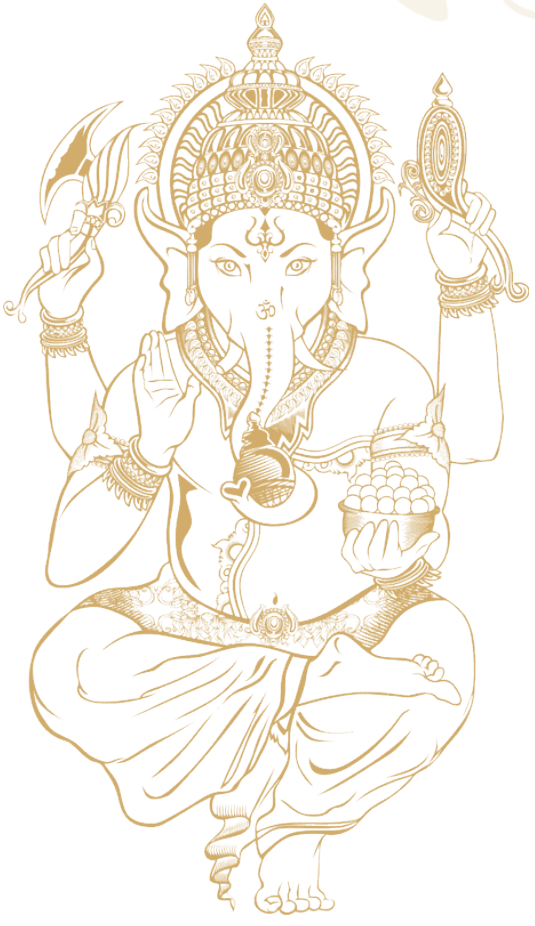

Jay Prakash

Divyanshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120960203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/02/1993	जन्म तिथि	30/10/1998
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 19:15:00	जन्म समय	09:55:00 घंटे
घटी 31:00:02	जन्म समय(घटी)	08:46:33 घटी
India	देश	India
Bhopal	स्थान	Jabalpur
23:17:00 उत्तर	अक्षांश	23:10:00 उत्तर
77:28:00 पूर्व	रेखांश	79:57:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:08	स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:50:59	सूर्योदय	06:14:18
18:17:27	सूर्यास्त	17:33:22
23:45:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:16

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 2वर्ष 10मा 25दि	19:58:11	सिंह	लग्न	धनु	00:31:34	मंगल 1वर्ष 7मा 17दि
राहु	06:09:24	कुंभ	सूर्य	तुला	12:42:23	गुरु
14/01/2013	03:32:45	मक	चंद्र	कुंभ	03:33:30	17/06/2018
15/01/2031	14:58:27	मिथु	मंगल	सिंह	19:49:50	17/06/2034
राहु 28/09/2015	23:50:03	कुंभ	बुध	वृश्चि	02:49:36	गुरु 05/08/2020
गुरु 20/02/2018	20:15:53	कन्या व	गुरु व	कुंभ	24:40:27	शनि 16/02/2023
शनि 27/12/2020	18:47:06	मीन	शुक्र	तुला	12:42:25	बुध 24/05/2025
बुध 17/07/2023	28:14:09	मक	शनि व	मेष	05:48:43	केतु 30/04/2026
केतु 03/08/2024	25:13:43	वृश्चि व	राहु	सिंह	05:07:12	शुक्र 29/12/2028
शुक्र 04/08/2027	25:13:43	वृष व	केतु	कुंभ	05:07:12	सूर्य 17/10/2029
सूर्य 27/06/2028	26:38:57	धनु	हर्ष	मक	15:01:36	चन्द्र 16/02/2031
चन्द्र 27/12/2029	26:20:07	धनु	नेप	मक	05:38:35	मंगल 23/01/2032
मंगल 15/01/2031	01:44:14	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	12:54:18	राहु 17/06/2034

लग्न-चलित

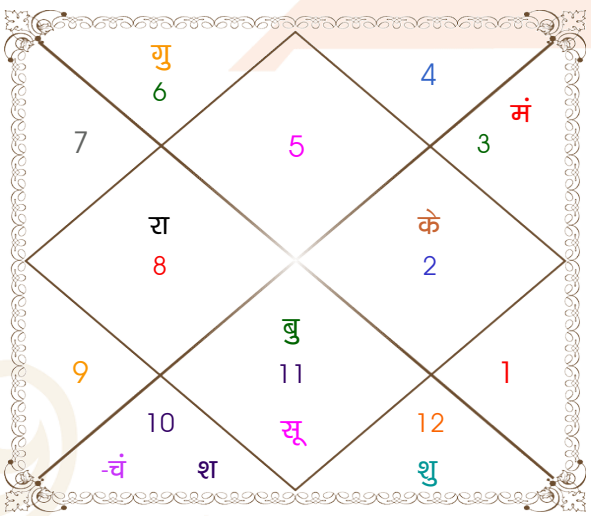

लग्न-चलित

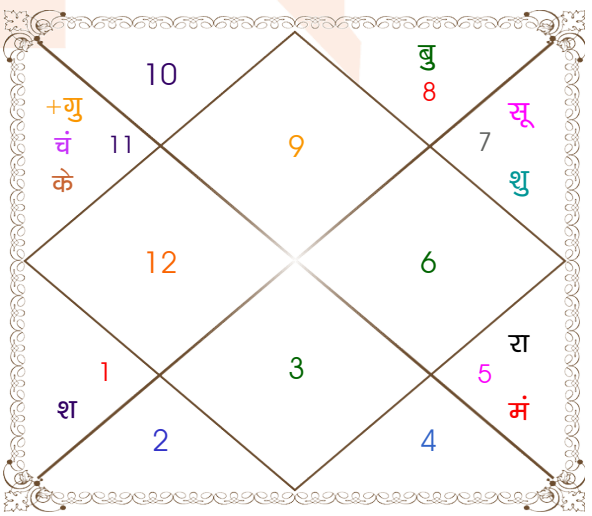

Shri Dadaji Jyotish kendra
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

श्रंल च्तीं का वर्ग सिंह है तथा Divyanshi का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार श्रंल च्तीं और Divyanshi का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

श्रंल च्तीं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Divyanshi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

श्रंल च्तीं तथा Divyanshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।